प्रभास बने देश के सबसे पसंदीदा स्टार

ऑरमैक्स रैंकिंग में हासिल किया पहला स्थान

पैन-इंडिया सुपरस्टार प्रभास ने एक बार फिर अपनी लोकप्रियता का परचम लहराते हुए जून 2026 के लिए ऑरमैक्स मीडिया की 'स्टार्स इंडिया लव्स' रैंकिंग में देश के सबसे पसंदीदा मेल फिल्म स्टार का पहला स्थान हासिल किया है.देशभर के दर्शकों की पसंद को दर्शाने वाली इस रैंकिंग में प्रभास ने भारतीय सिनेमा के कई बड़े सितारों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया है. यह उपलब्धि विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों के बीच उनकी व्यापक लोकप्रियता और मजबूत प्रशंसक आधार को रेखांकित करती है.

'बाहुबली' फ्रेंचाइजी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले प्रभास ने 'सालार' और 'कल्कि 2898 एडी' जैसी फिल्मों के जरिए लगातार अपनी स्टार पावर साबित की है.

उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस, विविध किरदारों को निभाने की क्षमता और पूरे देश के दर्शकों को जोड़ने वाली अपील ने उन्हें भारतीय सिनेमा का एक बड़ा पैन-इंडिया सितारा बना दिया है. यह सम्मान ऐसे समय में मिला है जब प्रभास के लिए वर्ष 2026 बेहद सफल रहा है.

उनकी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कारों में सम्मान मिला है. वहीं उनकी आगामी फिल्मों 'फौजी', 'स्पिरिट', 'सालार 2' और 'कल्कि 2898 एडी पार्ट 2' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है. प्रभास की लगातार बढ़ती लोकप्रियता और बड़े बजट की फिल्मों में उनकी मौजूदगी उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली सितारों में बनाए हुए है.

ऑरमैक्स की ताजा रैंकिंग भी इस बात की पुष्टि करती है कि प्रभास वर्तमान समय के सबसे पसंदीदा और चर्चित फिल्म सितारों में शामिल हैं.

द इंडिया स्टोरी' का नया पोस्टर जारी

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत फिल्म द इंडिया स्टोरी का नया पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल वाली खेती और उससे जुड़े जनस्वास्थ्य संबंधी खतरों को प्रमुखता से उठाया गया है.फिल्म के निर्माताओं द्वारा जारी नए पोस्टर में कृषि क्षेत्र में बढ़ते कीटनाशक उपयोग के प्रभावों को प्रभावशाली तरीके से दर्शाया गया है. पोस्टर यह संदेश देता है कि हमारी थाली तक पहुंचने वाला भोजन कई बार ऐसे छिपे हुए खतरों को साथ लेकर आता है, जो मानव स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक असर डाल सकते हैं.

फिल्म के संदेश पर बात करते हुए काजल अग्रवाल ने कहा कि 'द इंडिया स्टोरी' एक महत्वपूर्ण विषय पर आधारित फिल्म है, जो लोगों को अपने भोजन और उससे जुड़े विकल्पों के प्रति जागरूक बनने के लिए प्रेरित करती है.

टॉक्सिक में यश और तारा का मधोष आया सामने

रॉकिंग स्टार यश और अभिनेत्री तारा सुतारिया की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का नया गाना 'मधोष' रिलीज़ हो गया है. फिल्म की कहानी की परतों को धीरे-धीरे सामने ला रहे इस गाने में दर्शकों को राया और रेबेका के रिश्ते की एक नई झलक देखने को मिलती है. इससे पहले रिलीज़ हुए गाने 'तबाही' में जहां यश और कियारा आडवाणी के किरदार के बीच रिश्ते की तीव्रता दिखाई गई थी, वहीं 'मधोष' राया और रेबेका के बीच सहज और खूबसूरत जुड़ाव को दर्शाता है.

मधोष में यश और तारा सुतारिया की केमिस्ट्री को बेहद खास अंदाज में पेश किया गया है. गाने में दोनों के बीच हंसी-मजाक, छोटी-छोटी बातचीत और भावनात्मक पलों के जरिए उनके रिश्ते की गर्मजोशी दिखाई गई है. एक अनोखे अंदाज में किया गया प्रपोजल और दोनों के बीच की सहज बॉन्डिंग राया और रेबेका के रिश्ते को अलग पहचान देती है. यह गाना यश के किरदार का एक हल्का-फुल्का और बेपरवाह पक्ष भी सामने लाता है. हालांकि 'मधोष' सिर्फ राया और रेबेका की कहानी तक सीमित नहीं है.

गाने में यश और नयनतारा के किरदार के बीच विश्वास, समझ और एक साझा उद्देश्य की झलक भी देखने को मिलती है. वहीं यश और कियारा आडवाणी के किरदार के बीच नजर आने वाली खामोश भावनाएं और गहरी नजरें कहानी में मौजूद जटिल रिश्तों की ओर इशारा करती हैं. फिल्म के अन्य महत्वपूर्ण किरदारों की झलक भी इसकी कहानी को और रहस्यमयी बनाती है.

टेलीविजन हलचल

बिग बॉस 20 की पहली झलक ने चौंकाया

भारत के चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस हिंदी ने अपने ऐतिहासिक 20वें सीज़न की पहली आधिकारिक घोषणा करते हुए शो की पहचान मानी जाने वाली 'आंख' का नया रूप जारी किया है। यह शो जल्द ही जियोहॉटस्टार और कलर्स पर प्रसारित होगा. बिग बॉस हिंदी के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पेश की गई नई 'आंख' शो की विरासत और उसके नए अध्याय का प्रतीक है. दो दशकों के यादगार पलों से प्रेरित इस डिजाइन को घर के भीतर की दुनिया में प्रवेश करने वाले एक पोर्टल के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो रिश्तों, भावनाओं, बदलते गठबंधनों और अप्रत्याशित मोड़ों को दर्शाता है.

द्रोणाचार्य का किरदार निभा भावुक हुए जितेन लालवानी

सोनी सब के धारावाहिक 'हस्तिनापुर के वीर' में द्रोणाचार्य की भूमिका निभा रहे अभिनेता जितेन लालवानी का कहना है कि एक सच्चा गुरु केवल कौशल नहीं सिखाता, बल्कि व्यक्ति के चरित्र, मूल्यों और आत्मविश्वास को भी आकार देता है .जितेन लालवानी ने अपने किरदार के बारे में कहा कि द्रोणाचार्य की भूमिका निभाना उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है.

फैंटासिया फेस्टिवल में चमकेगी अनुराग की चार दीवारी

फिल्मकार अनुराग कश्यप और रंजन सिंह द्वारा प्रस्तुत की जा रही निर्देशक सैयद शादान की साइकोलॉजिकल हॉरर थ्रिलर शॉर्ट फिल्म 'चार दीवारी' का नॉर्थ अमेरिका प्रीमियर 30 जुलाई को कनाडा के मॉन्ट्रियल में आयोजित प्रतिष्ठित फैंटासिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 में होगा.शिवेक गुप्ता और सैयद शादान द्वारा निर्मित 'चार दीवारी' इस वर्ष फैंटासिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई चुनिंदा भारतीय फिल्मों में शामिल है. फिल्म का चयन फेस्टिवल के 'फ्रेगमेंट्स डी'एसी' सेक्शन में किया गया है. फैंटासिया को दुनिया के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित जॉनर फिल्म फेस्टिवल्स में गिना जाता है.

फिल्म की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रहने के लिए एक साधारण घर किराये पर लेता है, लेकिन जल्द ही उसे एहसास होता है कि उस घर की दीवारों में एक भयावह रहस्य छिपा हुआ है. मनोवैज्ञानिक तनाव और रहस्य से भरपूर यह फिल्म डर, अकेलेपन और अनदेखे रहस्यों की पड़ताल करती है. अनुराग कश्यप ने कहा, चार दीवारी शुरू से ही दर्शकों के भीतर एक अजीब बेचैनी पैदा करती है. फिल्म धीरे-धीरे आपको उसी डर के बीच ले जाती है, जिससे आप बचना चाहते हैं. मुझे यह फिल्म बेहद पसंद आई. रंजन सिंह ने कहा कि 'चार दीवारी' एक प्रभावशाली शॉर्ट थ्रिलर है, जिसका रहस्यमय और गंभीर माहौल दर्शकों को बांधे रखता है. उन्होंने कहा कि फैंटासिया जैसे प्रतिष्ठित मंच पर इसका प्रीमियर होना फिल्म के लिए बड़ी उपलब्धि है. निर्देशक सैयद शादान ने कहा कि फिल्म की प्रेरणा इस विचार से मिली कि यदि हमारे आसपास की दीवारें हमारी यादों और रहस्यों को संजोकर रखती हों तो क्या होगा. उन्होंने कहा कि फैंटासिया फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है और अनुराग कश्यप का समर्थन इस सफर को और भी विशेष बनाता है.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

सुपर न्यू मून पर टिकी दुनियाभर की नजरें

अगस्त 2026 में आसमान एक बार फिर दुर्लभ खगोलीय घटना का साक्षी बनने जा रहा है. इस दौरान सुपर न्यू मून दिखाई देगा, जिसे लेकर लोगों के बीच कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सुपर न्यू मून अपने आप सूर्य ग्रहण का कारण बनता है? वैज्ञानिकों का जवाब है, नहीं. हालांकि दोनों घटनाओं का संबंध अमावस्या से जरूर है, लेकिन इनके घटित होने की शर्तें अलग-अलग होती हैं.

सुपर न्यू मून उस स्थिति को कहा जाता है जब चंद्रमा अपनी कक्षा में पृथ्वी के सबसे करीब होता है और उसी समय अमावस्या का चरण भी होता है. चूंकि इस दौरान चंद्रमा का प्रकाशित भाग पृथ्वी की ओर नहीं होता, इसलिए वह दिखाई नहीं देता. यही वजह है कि इसे सुपर न्यू मून कहा जाता है. इसके विपरीत, सूर्य ग्रहण तब लगता है जब अमावस्या के दौरान सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी लगभग एक सीधी रेखा में आ जाते हैं और चंद्रमा सूर्य की रोशनी को आंशिक या पूर्ण रूप से ढक देता है. चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी की कक्षा से लगभग पांच डिग्री झुकी हुई है. यही कारण है कि अधिकांश अमावस्या के समय चंद्रमा सूर्य के ऊपर या नीचे से गुजर जाता है और उसकी छाया पृथ्वी पर नहीं पड़ती. इसलिए हर न्यू मून या सुपर न्यू मून सूर्य ग्रहण में नहीं बदलता.अगस्त 2026 का सुपर न्यू मून खगोल विज्ञान के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी के अपेक्षाकृत अधिक निकट रहेगा, लेकिन केवल यही स्थिति सूर्य ग्रहण के लिए पर्याप्त नहीं होती. ग्रहण तभी संभव है जब चंद्रमा अपनी कक्षा के उस बिंदु के पास हो, जहां उसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा को काटती है और सूर्य, चंद्रमा तथा पृथ्वी का सटीक संरेखण बनता है. सुपर न्यू मून और सूर्य ग्रहण को लेकर कई भ्रांतियां प्रचलित हैं. ऐसे में लोगों को वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर इन घटनाओं को समझना चाहिए. अगस्त में होने वाला सुपर न्यू मून खगोलीय दृष्टि से आकर्षक जरूर होगा, लेकिन यह अपने आप सूर्य ग्रहण की गारंटी नहीं है.

डुअल सिम स्मार्टफोन का स्मार्ट इस्तेमाल करें

डुअल सिम स्मार्टफोन आज लगभग हर व्यक्ति के हाथ में है, लेकिन बहुत कम लोग इसके सभी फायदों का उपयोग कर पाते हैं. अधिकतर यूजर्स केवल एक ही सिम का इस्तेमाल करते हैं, जबकि दूसरा सिम स्लॉट खाली रहता है. डुअल सिम सुविधा का सही उपयोग करने से कॉलिंग, इंटरनेट और डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान आसानी से किया जा सकता है. यदि किसी स्थान पर एक मोबाइल नेटवर्क का सिग्नल कमजोर हो जाए, तो यूजर आसानी से दूसरे सिम पर कॉलिंग और इंटरनेट की सुविधा चालू कर सकता है. इससे जरूरी कॉल छूटने या इंटरनेट बंद होने जैसी परेशानी नहीं होती. इसके अलावा एक सिम को निजी उपयोग और दूसरे को कार्यालय या व्यवसाय के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे दोनों तरह के संपर्क अलग-अलग बने रहते हैं और सुविधा भी बढ़ती है.

दो अलग-अलग मोबाइल कंपनियों के डेटा प्लान का लाभ लेना भी ड्यूल सिम का बड़ा फायदा है. जिस कंपनी का इंटरनेट पैक सस्ता या बेहतर हो, उसे डेटा के लिए चुना जा सकता है, जबकि दूसरे सिम का उपयोग केवल कॉलिंग के लिए किया जा सकता है. इससे मासिक मोबाइल खर्च कम करने में भी मदद मिलती है. यात्रा के दौरान भी ड्यूल सिम बेहद उपयोगी साबित होता है.

वॉट्सऐप कॉलिंग में आया नया शॉर्टकट फीचर

वॉट्सऐप ने आईफोन यूजर्स के लिए एक नया अपडेट जारी करना शुरू किया है, जिससे वॉइस और वीडियो कॉलिंग का अनुभव पहले से अधिक आसान होने वाला है. नए फीचर के तहत अब कॉल के दौरान ही माइक्रोफोन मोड बदलने का शॉर्टकट मिलेगा.

पहले इसके लिए यूजर्स को आईफोन का कंट्रोल सेंटर खोलकर माइक्रोफोन सेटिंग बदलनी पड़ती थी, लेकिन अब यह सुविधा सीधे वॉट्सऐप के कॉल स्क्रीन पर उपलब्ध होगी. इस नए फीचर की मदद से यूजर्स कॉल के दौरान अपनी जरूरत के अनुसार माइक्रोफोन मोड बदल सकेंगे. इससे आवाज की गुणवत्ता बेहतर करने में आसानी होगी और बार-बार ऐप से बाहर जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी. खास बात यह है कि यह बदलाव कॉलिंग के अनुभव को अधिक तेज, सुविधाजनक और सहज बनाने के उद्देश्य से किया गया है. यह अपडेट फिलहाल चरणबद्ध तरीके से जारी किया जा रहा है. इसलिए संभव है कि सभी आईफोन यूजर्स को यह सुविधा एक साथ न मिले.

यंग इंडिया

अग्निवीरों के लिए भर्ती नियमों में बदलाव

अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों में 50% आरक्षण

सेना से बाहर होने वाले अग्निवीरों के लिए बड़ी खबर है. चार साल की नौकरी पूरी करने के बाद अब अग्निवीरों को भारत के अर्धसैनिक बलों (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) में 50 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा.

सरकार की तरफ से बताया गया है कि आरक्षी और राइफलधारी जवान की 50% सीटें रिजर्व रहेंगी. इसके अलावा, उन्हें कोई लिखित परीक्षा नहीं देनी होगी और शारीरिक परीक्षण के मानकों में भी छूट मिलेगी. संसद में इस हफ्ते सरकार ने अग्निपथ योजना से अर्धसैनिक बलों में जाने के इस पूरे प्रोसेस के बारे में विस्तार से जानकारी दी. अग्निवीरों को लेकर ये जानकारी बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के एक सवाल के जवाब में सामने आई. उन्होंने सरकार से पूछा था कि चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों को दूसरी नौकरी देने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं. गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 21 जुलाई को लोकसभा में इसका लिखित जवाब दिया, जिसमें बताया गया कि पूर्व अग्निवीरों को क्या-क्या छूट दी गई है.

अग्निवीरों को सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स में आरक्षी और राइफलधारी जवान की कुल भर्तियों में से आधी सीटें अब पूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित होंगी. ये सिर्फ प्राथमिकता देना नहीं है, बल्कि भर्ती नियमों में तय किया गया एक पक्का आरक्षण है. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में निकलने वाली तमाम भर्तियों में अग्निवीरों को 3 साल की छूट मिलेगी. वहीं, अग्निपथ योजना के पहले बैच के जवानों को 5 साल की विशेष छूट दी जाएगी.

आईबीपीएस पीओ भर्ती में युवाओं को मिली बड़ी राहत

देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अधिकारी बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन ने बड़ी राहत दी है. संस्थान ने प्रोबेशनरी ऑफिसर और मैनेजमेंट ट्रेनी भर्ती 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 26 जुलाई कर दी है. पहले आवेदन की आखिरी तारीख 21 जुलाई निर्धारित थी.

इसके साथ ही भर्ती में रिक्तियों की संख्या भी 6,715 से बढ़ाकर 7,365 कर दी गई है, जिससे हजारों अतिरिक्त अभ्यर्थियों के लिए नौकरी के अवसर बढ़ गए हैं. आईबीपीएस की ओर से जारी नोटिस के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 जुलाई से शुरू हुए थे. अब उम्मीदवार 26 जुलाई तक आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे. जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है, उनके लिए यह अतिरिक्त समय महत्वपूर्ण साबित हो सकता है. इस भर्ती अभियान के माध्यम से देश के 11 प्रमुख सरकारी बैंकों में प्रोबेशनरी ऑफिसर और मैनेजमेंट ट्रेनी के पद भरे जाएंगे. इनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केनरा बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक शामिल हैं.

एमपीआरडीसी में 18 पदों पर शुरू हुई भर्ती

मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) ने मैनेजर (टेक्निकल) के 18 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है. यह भर्ती सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त युवाओं के लिए सरकारी सेवा में आने का शानदार अवसर है. सबसे बड़ी बात यह है कि इस भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी. उम्मीदवारों का चयन गेट-2024, गेट-2025 और गेट-2026 के अंकों के आधार पर किया जाएगा.

इच्छुक अभ्यर्थी 1 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और इसके लिए किसी प्रकार का आवेदन शुल्क नहीं देना होगा.

भर्ती में अनारक्षित वर्ग के लिए 6, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 4, अनुसूचित जाति के लिए 3, अनुसूचित जनजाति के लिए 4 तथा दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 1 पद आरक्षित रखा गया है. दिव्यांग वर्ग का पद अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत शामिल होगा. अभ्यर्थियों के पास भारत सरकार से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री तथा वैध गेट स्कोर कार्ड होना अनिवार्य है.

आयु सीमा का निर्धारण राज्य शासन के नियमों के अनुसार किया जाएगा और मध्य प्रदेश के मूल निवासियों सहित आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार आयु में छूट का लाभ मिलेगा.

रेलवे में 4,098 इंजीनियर पदों पर बंपर भर्ती

भारतीय रेलवे में जूनियर इंजीनियर बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है. रेलवे भर्ती बोर्ड ने देशभर के विभिन्न रेलवे जोनों में 4,098 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है. इस भर्ती अभियान में सबसे अधिक पद जूनियर इंजीनियर के हैं. इसके अलावा डिपो मैटेरियल सुपरिटेंडेंट तथा केमिकल एवं मेटलर्जिकल असिस्टेंट के पदों पर भी नियुक्तियां की जाएंगी. इच्छुक अभ्यर्थी 14 अगस्त 2026 से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 13 सितंबर 2026 रात 11:59 बजे तक निर्धारित की गई है. आवेदन केवल रेलवे भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे. इस भर्ती के लिए उम्मीदवार के पास संबंधित शाखा जैसे सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार या सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा डिप्लोमा होना आवश्यक है. सूचना प्रौद्योगिकी पद के लिए विशेष कंप्यूटर योग्यता तथा केमिकल एवं मेटलर्जिकल असिस्टेंट पद के लिए विज्ञान विषय में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य होगी. अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 33 वर्ष निर्धारित की गई है. अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति वर्ग को पांच वर्ष तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को तीन वर्ष की आयु सीमा में नियमानुसार छूट मिलेगी. चयन प्रक्रिया चार चरणों में पूरी होगी. सबसे पहले कंप्यूटर आधारित परीक्षा-1 आयोजित की जाएगी. इसमें सफल अभ्यर्थियों को कंप्यूटर आधारित परीक्षा-2 में शामिल होना होगा, जिसमें तकनीकी विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे.

लॉन्च से पहले रेडमी नोट 17 का बड़ा खुलासा

रेडमी के आगामी स्मार्टफोन रेडमी नोट 17 को लेकर भारत में चर्चाएं तेज हो गई हैं. चीन में लॉन्च के बाद अब इस फोन की भारतीय एंट्री को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं. विभिन्न लीक रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी इसे अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में उतार सकती है, हालांकि अभी तक आधिकारिक लॉन्च तारीख की पुष्टि नहीं की गई है.

रेडमी नोट 17 में बड़ी 8,000 एमएएच बैटरी, 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट वाला ओएलईडी डिस्प्ले और 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा मिल सकता है. इसके अलावा फोन में नई पीढ़ी का स्नैपड्रैगन प्रोसेसर और एंड्रॉयड 16 आधारित हाइपरओएस मिलने की संभावना जताई जा रही है. इन खूबियों के चलते यह स्मार्टफोन लंबी बैटरी लाइफ, बेहतर गेमिंग और तेज़ मल्टीटास्किंग चाहने वाले ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बन सकता है. रेडमी नोट 17 की भारतीय कीमत पिछले मॉडल की तुलना में अधिक हो सकती है. हालांकि कंपनी ने अभी तक कीमत का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है.